सांध्य दैनिक 4PM

यदि कोई सही तरीके से बोलना जानता है तो उसे पता है कि वाणी एक अमूल्य रत्न है। इसलिए वह हृदय के तराजू में तोलकर ही उसे मुंह से बाहर आने देता है।
–कबीरदास

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 194 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार, 24 अगस्त, 2022

तो गहलोत को कांग्रेस की कमान... 8 | लोक सभा चुनाव के रण को बसपा... 3 | भाजपा सरकार में यूपी बना अराजक... 7

बिहार में फ्लोर टेस्ट से पहले राजद नेताओं के ठिकानों पर सीबीआई की छापेमारी

मचा सियासी घमासान

» जमीन के बदले नौकरी घोटाले में जांच एजेंसी ने की कार्रवाई

» गुरुग्राम में तेजस्वी के कथित निर्माणाधीन मॉल पर भी पहुंची टीम

» राजद ने कहा, यह जांच एजेंसी नहीं भाजपा की है छापेमारी

» आज विधान सभा में नयी महागठबंधन सरकार को साबित करना था बहुमत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में महागठबंधन की नयी नीतीश सरकार के फ्लोर टेस्ट से पहले आज सीबीआई की टीम ने राजद के कई नेताओं के ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की। जांच एजेंसी ने जमीन के बदले नौकरी घोटाले मामले में यह कार्रवाई की। इस दौरान राजद नेताओं के आवास पर सीआरपीएफ को तैनात किया गया है। वहीं फ्लोर टेस्ट के दिन हुई इस छापेमारी से बिहार में सियासी पारा चढ़ गया है। राजद ने इस मामले में केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए इसे जांच एजेंसी की नहीं बल्कि भाजपा की छापेमारी करार दिया है।

जमीन के बदले नौकरी घोटाला मामले में सीबीआई ने चार राजद नेताओं के आवास समेत 25 ठिकानों पर छापेमारी की। सबसे पहले सीबीआई टीम आज सुबह राजद सांसद अशफाक करीम, फैयाज अहमद के अलावा एमएलसी सुनील सिंह और पूर्व एमएलसी सुबोध राय के आवास पर पहुंची। सुनील सिंह राजद के कोषाध्यक्ष और विधान परिषद सदस्य हैं। सुनील सिंह को लालू प्रसाद यादव के करीबी नेताओं में शुमार किया जाता है और वे तेजस्वी यादव के भी भरोसेमंद माने जाते हैं। जानकारी के मुताबिक बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव की संपत्तियों की जांच के लिए उनसे जुड़े ठिकानों पर भी सीबीआई की टीम पहुंची है। इसके तहत गुरुग्राम के सेक्टर-71 स्थित अर्बन क्यूब्स मॉल में भी सीबीआई की टीम पहुंची है। मॉल अभी निर्माणाधीन है। कथित तौर पर मॉल में तेजस्वी यादव की हिस्सेदारी बतायी जा रही है। अर्बन क्यूब सेक्टर-71 मॉल का निर्माण व्हाइट लैंड कार्पोरेशन लिमिटेड के द्वारा किया जा रहा है।

इस मामले में सीबीआई ने तीसरी बार छापेमारी की है। इससे पहले राजद के पूर्व विधायक और लालू यादव के ओएसडी रहे भोला यादव को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। वहीं सीबीआई के छापे को एमएलसी सुनील सिंह ने राजनीति से प्रेरित बताया। उन्होंने कहा कि यह जानबूझकर किया जा रहा है। इसका कोई मतलब नहीं है। वे यह सोचकर ऐसा कर रहे हैं कि डर के मारे विधायक उनके पक्ष में आएंगे। दरअसल, ये मामला साल 2004-2009 के रेलवे भर्ती घोटाले से जुड़ा है। आरोप है कि लालू यादव जब रेल मंत्री थे तब उस समय जमीन के बदले नौकरी देने के लिए कहा जाता था। चूंकि, पैसे लेने में रिस्क था इसलिए नौकरी के बदले जमीन ही ली जाती थी। वहीं इस तरह के अवैध काम को अंजाम देने के लिए लालू के उस समय के ओएसडी भोला यादव को ही यह जिम्मेदारी दी गई थी।

भाजपा किसी को फंसाती नहीं: संजय जायसवाल

सीबीआई छापों पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल ने कहा कि भाजपा किसी को फंसाती नहीं है। डेढ़ साल पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खुद शिकायत की थी कि बिस्कोमान से करोड़ों रुपये पकड़े गए हैं। हो सकता है कि यह (छापे) उसी का हिस्सा हों।

“जिसे जो करना है करे, हम सदन के अंदर इसका जवाब देंगे।”
तेजस्वी यादव, डिप्टी सीएम

सीबीआई नहीं, यह भाजपा की छापेमारी: मनोज झा

राजद के राज्य सभा सांसद मनोज झा ने कहा कि यह ईडी, आईटी या सीबीआई की छापेमारी नहीं बल्कि यह भाजपा की छापेमारी है क्योंकि ये एजेंसियां अब भाजपा के अधीन काम करती हैं। केंद्रीय एजेंसियां अब भाजपा की स्क्रिप्ट पर काम कर रही हैं। बिहार में आज फ्लोर टेस्ट है और यहां क्या हो रहा है? इसका अंदाजा हो गया है। हमारे डिप्टी सीएम ने कल ही बैठक में कहा था कि भाजपा अब इस स्तर पर पहुंचेगी। 24 घंटे भी नहीं लगे और वे इतना नीचे गिर गए। नाराजगी इस बात की है कि उनके हिसाब से सरकार नहीं चली? जनकल्याण के लिए गठबंधन को बदल दिया गया।

स्पीकर विजय सिन्हा ने दिया इस्तीफा, नीतीश ने की कैबिनेट बैठक

बिहार में महागठबंधन की नई सरकार आज विधानमंडल के विशेष सत्र के दौरान विधान सभा में विश्वास मत हासिल करेगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की इस गठबंधन सरकार को 164 विधायकों का समर्थन प्राप्त है जबकि विपक्ष के पास भाजपा के केवल 76 विधायक हैं। इसके पहले विधान सभा के सत्र के दौरान स्पीकर विजय सिन्हा ने पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद डिप्टी स्पीकर महेश्वर हजारी ने कार्यकारी स्पीकर का पदभार संभाला है। महागठबंधन की सरकार में राजद के अवध बिहारी चौधरी को नया स्पीकर बनाया जा सकता है। वहीं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कैबिनेट की बैठक की। खबर लिखे जाने तक विधान सभा में फ्लोर टेस्ट की कार्यवाही जारी थी।

विधान सभा के बाहर प्रदर्शन

सत्र शुरू होने के पहले ही विधान सभा के मुख्य प्रवेश द्वार पर भाजपा विधायकों ने प्रदर्शन किया। उन्होंने नीतीश कुमार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

हेमंत सोरेन के करीबी के घर पर ईडी की रेड

झारखंड के खनन घोटाले को लेकर ईडी सक्रिय है। केंद्रीय एजेंसी ने सीएम हेमंत सोरेन के प्रतिनिधि और विधायक पंकज मिश्रा से पूछताछ के बाद छापेमारी की है। झारखंड की राजधानी रांची समेत कई ठिकानों पर ईडी ने एक साथ छापेमारी की है। ईडी ने प्रेम प्रकाश के ठिकानों पर भी छापेमारी की है। इनके यहां से दो एके 47 राइफल मिली हैं।

गंगा समेत सभी नदियों की निगरानी अब होगी ऑनलाइन : स्वतंत्र देव

» लखनऊ में बनेगा कंट्रोल रूम, रखी जाएगी विशेष नजर

» यमुना नदी में शुरू होगा विशेष सफाई अभियान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

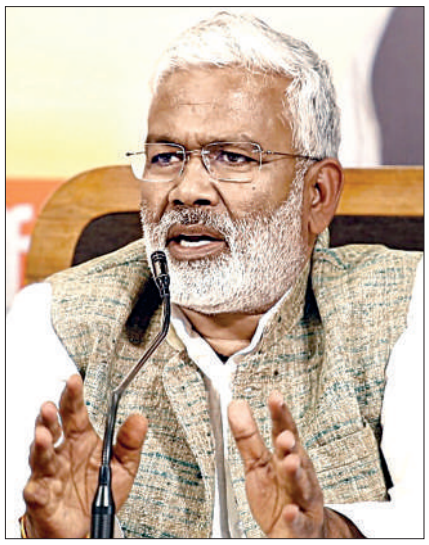

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गंगा समेत सभी नदियों की स्वच्छता की ऑनलाइन निगरानी होगी। इसके लिए नदियों में गिरने वाले सीवेज को रोकने के लिए बनाए गए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों (एसटीपी) पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। यह निर्देश जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने मंगलवार को पेयजल मुख्यालय में आयोजित नमामि गंगे परियोजना की समीक्षा बैठक में दिए। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन निगरानी के लिए लखनऊ में एक कंट्रोल रूम बनाया जाए।

जहां से विभागीय कर्मचारी नदियों की स्वच्छता की 24 घंटे मॉनिटरिंग कर सकेंगे। इसके लिए उन्होंने जल्द कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए हैं। जलशक्ति मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार गंगा समेत प्रदेश की सभी नदियों की सफाई के लिए बड़े कदम उठाने जा रही है। सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों के ठीक से संचालन न होने और एसटीपी होने के बावजूद नदियों तक सीवेज पहुंचने पर रोक लगाने के लिए अब ऑनलाइन निगरानी शुरू की जाएगी। इसके तहत विभाग का सर्वाधिक जोर गंगा, यमुना, गोमती और सरयू जैसी बड़ी नदियों के साथ ही छोटी नदियों पर भी है। उन्होंने विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव को नदियों की स्वच्छता की निगरानी के लिए जल्द से जल्द विशेष टीम गठित करने का निर्देश दिया। उन्होंने बिजनौर से बलिया तक गंगा स्वच्छता पर किए जा रहे कार्यों और नदी के किनारे बने एक-एक एसटीपी की रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए हैं। समीक्षा बैठक में राज्य मंत्री रामकेश निषाद, जल निगम के एमडी बलकार सिंह और मिशन के अधिशासी निदेशक प्रिय रंजन कुमार भी मौजूद रहे। जलशक्ति मंत्री ने नमामि गंगे के तहत ही यमुना नदी में विशेष सफाई अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने खासतौर पर आगरा, मथुरा और वृंदावन में नदियों की सफाई पर अधिक ध्यान दिए जाने के लिए कहा है। जलशक्ति मंत्री ने बुंदेलखंड में जल जीवन मिशन की हर घर नल योजना की भी समीक्षा की और फंक्शनल हाउसहोल्ड टैप कनेक्शन (एफएचटीसी) का प्रजेंटेशन देखा। उन्होंने पूरे प्रदेश में इस योजना को समय से पहले पूरा करने और बुंदेलखंड में हर हाल में दिसंबर तक हर घर तक जल पहुंचाने का निर्देश दिया। बैठक में उन्होंने तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम की भी समीक्षा की।

नशे का कारोबार करने वालों के सार्वजनिक स्थानों पर लगेंगे पोस्टर

» यूपी सरकार का सख्त आदेश, संपत्ति भी होगी जब्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में दंगाइयों और अपराधियों पर शिकंजा कसने के बाद अब योगी सरकार प्रदेश के ड्रग माफियाओं पर चाबुक चला रही है। सीएम योगी ने आज अवैध शराब और ड्रग के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की समीक्षा की। इस दौरान सीएम योगी ने ड्रग और अवैध शराब माफियाओं के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई करते हुए नशे के कारोबार में लिप्त लोगों के पोस्टर सार्वजनिक स्थानों पर लगाने के निर्देश दिए है। यही नहीं उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश में एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) का गठन कर दिया है। इसके तहत जोन/क्षेत्रीय स्तर पर नारकोटिक्स पुलिस थाना की स्थापना की जाएगी।

पहले चरण में बाराबंकी और गाजीपुर में नारकोटिक्स थाना स्थापित किए जाएंगे। वहीं एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स पूरे उत्तर प्रदेश में तीन रीजन (वेस्ट, सेंट्रल व ईस्ट) में विभाजित किया गया है। मुख्यालय स्तर पर एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स के प्रभारी पुलिस उप महानिरीक्षक (एएनटीएफ) होंगे। जिनके साथ पुलिस अधीक्षक (एएनटीएफ) ऑपरेशन एवं पुलिस अधीक्षक (एनएटीएफ) मुख्यालय नियुक्त रहेंगे। साथ ही मुख्यालय स्तर पर अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय और पुलिस उपाधीक्षक-ऑपरेशन एवं पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय नियुक्त होंगे। तीनों रीजन (वेस्ट, सेंट्रल और ईस्ट) के प्रभारी पुलिस उपाधीक्षक होंगे। वेस्ट रीजन के अन्तर्गत मेरठ, बरेली, आगरा, सेंट्रल रीजन के तहत लखनऊ, कानपुर तथा ईस्ट रीजन के तहत प्रयागराज, गोरखपुर व वाराणसी जोन आयेंगे। इन जोनल प्रभारियों को आवश्यक संशाधन भी उपलब्ध कराये जायेंगे। मुख्यमंत्री योगी ने निर्देश देते हुए कहा कि इस अभियान में चिन्हित अपराधियों की संपत्ति भी जब्त किया जाए और सार्वजनिक स्थानों पर इनके पोस्टर लगाए जाएं ताकि राष्ट्र के खिलाफ अपराध कर रहे अपराधियों को समाज में सबक सिखाया जा सके। उन्होंने कहा कि ये सभी राष्ट्रीय अपराधी हैं और इन्हें हर हाल में दंडित होना चाहिए। पहले चरण में चलाए गए इस अभियान के तहत प्रदेश भर के 342 हुक्काबारों और अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करने वालों के 4338 ठिकानों पर छापे मारते हुए 785 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। यहीं नहीं इन लोगों के पास से साढ़े पांच करोड़ रुपए से ज्यादा की कीमत के मादक पदार्थ बरामद किए गए हैं।

गर्भवती महिलाओं की जांच में कोताही बर्दाश्त नहीं : बृजेश पाठक

» शिकायत मिलने पर जिम्मेदारों के खिलाफ होगी कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने गर्भवती महिलाओं की जांच व्यवस्था को दुरुस्त करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जांच में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जहां से शिकायत आएगी, जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई होगी। उप मुख्यमंत्री ने मंगलवार को सभी मुख्य चिकित्साधिकारियों को निर्देश दिया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर जांच सुविधा को मुकम्मल किया जाएगा। पहली बार अस्पताल आने वाली गर्भवती महिलाओं की एंटी नेटल चेकअप (एएनसी) जरूर कराया जाए। महिलाओं को यह भी समझाया जाए कि दोबारा अस्पताल आएं तो रिपोर्ट साथ लाएं।

क्योंकि कई बार डॉक्टर की सलाह लेने के बाद महिलाएं सीधे घर चली जाती हैं। जांच नहीं कराती हैं। इसलिए महिलाओं को डॉक्टर व कर्मचारी जांच के लिए प्रेरित करें। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला महिला अस्पताल, शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रसव की सुविधा है। गर्भवती महिलाओं का मुफ्त इलाज होता है। ऐसे में गर्भावस्था में पहली बार अस्पताल आने वाली महिलाएं की खून व रेडियोलॉजी संबंधी जांचें जरूर कराई जाएं, जिससे ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, हाइपरटेंशन आदि की पहचान की जा सके।

अपने लोगों के बयानों को नियंत्रित रखे भाजपा : मायावती

» बसपा मुखिया ने बीजेपी को अपने लोगों को नियंत्रित रखने की दी नसीहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। तेलंगाना के भाजपा विधायक टी. राजा सिंह को पुलिस ने कथित तौर पर पैगंबर मोहम्मद का अपमान करने वाला बयान देने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। उनके बयान को लेकर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने गुस्सा जताया था। इधर बसपा सुप्रीमो मायावती ने राजा सिंह को लेकर बीजेपी पर निशाना साधा है।

एक ट्वीट में मायावती ने लिखा कि अभी बीजेपी से निलंबित नुपूर शर्मा द्वारा की गई विवादित टिप्पणी पर देशभर में गर्माया माहौल पूरी तरह से ठंडा भी नहीं हो पाया है कि एमएलए राजा सिंह ने उसी तरह का उत्तेजनात्मक काम कर दिया। मायावती ने बीजेपी को अपने लोगों को नियंत्रित रखने की नसीहत दी। उन्होंने एक के बाद एक दो ट्वीट करते हुए बीजेपी पर निशाना साधा। मायावती ने लिखा कि अभी भाजपा से निलम्बित नुपूर शर्मा द्वारा पैग़म्बर-ए-इस्लाम के विरुद्ध विवादित टिप्पणी पर देश भर में गर्माया माहौल पूरी तरह से ठंडा भी नहीं हो पाया है कि बीजेपी के अन्य नेता तेलंगाना के विधायक राजा सिंह ने उसी प्रकार का उत्तेजनात्मक कार्य किया है जो अति-शर्मनाक और घोर निन्दनीय। अपने अगले ट्वीट में बसपा सुप्रीमो ने लिखा हालांकि तेलंगाना सरकार ने बीजेपी विधायक को आज हैदराबाद में गिरफ्तार कर लिया है। इससे भाजपा की मानसिकता पता चलती है।

गोरखपुर में संगठन को मजबूत बनाने के लिए सपा ने झोंकी ताकत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। संगठन को गांव और बूथ स्तर तक मजबूत बनाने के लिए समाजवादी पार्टी (सपा) ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। इसके लिए युद्धस्तर पर सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। सभी सक्रिय सदस्यों को उनके बूथों पर सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया गया है। ताकि अधिक से अधिक लोगों तक पार्टी की नीतियां पहुंच सके। जनपद के शहर और ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में भी मंगलवार से सदस्यता अभियान शुरू हो गया। दोनों विधानसभा क्षेत्रों में सदस्यता बनाने के लिए आठ सेक्टरों में कैंप लगाए जाएंगे।

पहले दिन सदस्यता प्रभारी जफर अमीन डक्कू के नेतृत्व में वार्ड नंबर 48 में सूरजकुंडधाम नगर में कैंप लगाया गया। सूरजकुंड के अलावा ग्रामीण विधानसभा के कल्याणपुर, इलाहीबाग, नेताजी सुभाष चन्द बोस नगर, तिवारीपुर व शहर विधान सभा में बिछिया, राम जानकी नगर, चक्सा हुसैन और हुमायूँपूर उत्तरी में सदस्यता अभियान कैंप लगाया जाएगा। अन्य विधानसभा क्षेत्रों में भी सदस्यता अभियान तेज कर दिया गया है। कैंपियरगंज, पिपराइच, सहजनवां, खजनी, बांसगांव, चौरीचौरा और चिल्लूपार विधानसभा क्षेत्र में सदस्यता अभियान को तेज करने के लिए प्रभारियों की तैनाती कर दी गई है।

लोक सभा चुनाव के रण को बसपा ने बनाया मास्टर प्लान, मजबूत करेगी कुनबा

» जनाधार बढ़ाने के लिए संगठन पर फोकस, शुरू किया सदस्यता अभियान

» नगरीय निकाय चुनाव की तैयारी में जुटी, जातीय समीकरण पर भी जोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में करारी शिकस्त के बाद बसपा प्रमुख मायावती ने अब लोक सभा चुनाव के रण को तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी नेतृत्व ने मास्टर प्लान तैयार कर लिया है और जनधार बढ़ाने के लिए कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय कर दिया है। बसपा ने सदस्यता अभियान भी तेज कर दिया है। बसपा प्रमुख जातीय समीकरण साधने पर भी फोकस कर रही है।

अपनी रणनीति में कई प्रयोग कर चुकीं मायावती की नजर अब संगठन की मजबूती पर है। बसपा प्रमुख पहले तो सदस्यता अभियान से सियासी कुनबा बढ़ाना चाहती हैं और फिर निकाय चुनाव में भी कैडर के कार्यकर्ताओं को ही प्रत्याशी बनाकर वह ऐसी समर्पित टीम बनाना चाहती हैं जो 2024 के रण में नीला झंडा बुलंद करने के लिए जूझ सकें। लोक सभा चुनाव में जहां लगभग डेढ़ वर्ष का समय है, वहीं नगरीय निकाय चुनाव इसी वर्ष के अंत में प्रस्तावित हैं।

ऐसे में मायावती की कोशिश है कि पहले-पहल पार्टी को मजबूत करने के साथ खिसकते जनाधार को पहले की तरह हासिल किया जाए। इसके लिए उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों को अभी सदस्यता अभियान चलाकर ज्यादा से ज्यादा सदस्य बनाने का जिम्मा सौंपा है। सदस्यता अभियान के जरिए बसपा प्रमुख जहां जनाधार बढ़ाना चाहती हैं, वहीं 50 रुपये के बजाय अबकी 200 रुपये सदस्यता शुल्क लेकर पार्टी की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत बनाने में जुटी है। वैसे तो प्रत्येक विधान सभा क्षेत्र से 75 हजार सदस्य बनाने के लिए कहा गया है, लेकिन इतना न सही तो कम से कम एक करोड़ सक्रिय सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि अभी 31 अगस्त तक सदस्यता अभियान चलाने का निर्देश है। 31 अगस्त के बाद नगरीय निकाय चुनाव की तैयारी में सभी जुटेंगे। सदस्य बनाने में सक्रियता दिखाने वाले पार्टी के वफादारों को ही महापौर से लेकर पार्षद तक का टिकट दिए जाने में प्राथमिकता रहेगी। सूत्रों का कहना है कि आजमगढ़ लोक सभा सीट के उपचुनाव में जिस तरह से बसपा को ठीक-ठाक वोट मिले हैं, उसको देखते हुए मायावती ने अभी तो सभी 80 लोक सभा सीटों को ध्यान में रखकर चुनाव की तैयारी करने के लिए कहा है। निकाय चुनाव के नतीजे देखने के बाद ही लोक सभा चुनाव के बारे में कोई निर्णय लिया जाएगा।

लगातार खराब रहा प्रदर्शन

एक दशक पहले सत्ता गंवाने के बाद से बसपा का प्रदर्शन लगातार खराब रहा है। 2014 के लोक सभा चुनाव में शून्य पर सिमटने वाली बसपा हाल के विधान सभा चुनाव में सिर्फ एक सीट ही जीत सकी। 2019 के लोक सभा चुनाव में पार्टी के 10 सांसद तब चुने गए थे, जब उसने अपनी धुर विरोधी समाजवादी पार्टी से हाथ मिलाया था। हालांकि, लोक सभा चुनाव के बाद ही बसपा प्रमुख ने सपा से नाता तोड़ लिया था और पिछला विधान सभा चुनाव अकेले ही लड़ीं।

बसपा सरकार में चलायी गयी योजनाओं का मिलेगा लाभ

पार्टी नेताओं का मानना है कि सत्ता में रहते मायावती ने जिस तरह से मलिन बस्तियों को बुनियादी सुविधाओं से लैस किया था और शहरी गरीबों को मुफ्त मकान दिया था, उसका लाभ अबकी निकाय चुनाव में पार्टी को मिलेगा। गौरतलब है कि पांच वर्ष पहले हुए निकाय चुनाव में बसपा ने खासतौर से अलीगढ़ और मेरठ के मेयर की कुर्सी पर कब्जा जमाकर सभी को चौंका दिया था।

दलबदलुओं से सतर्क

बसपा का प्रयास है कि निकाय चुनाव में जमीन से जुड़े मिशनरी सोच रखने वाले वफादार युवाओं और महिलाओं को टिकट देकर उनकी जीत सुनिश्चित की जाए ताकि बाद में वे सत्ता के दबाव में आकर दूसरी पार्टी की ओर मुंह न कर लें। ऐसे में निकाय चुनाव जीतने वालों के दम पर लोक सभा चुनाव की जमीन मजबूत की जा सकेगी। दलबदलुओं से सतर्कता के साथ ही पूर्व में पार्टी छोड़ने वाले जिन मिशनरी नेताओं ने मायावती के खिलाफ कभी कोई गंभीर बात नहीं कही है, उनकी वापसी भी बसपा में संभावित है।

पर्यटन विभाग की योजना : यूपी के प्रमुख मार्गों पर बनेंगे प्रवेश द्वार और कॉम्प्लेक्स

» पर्यटन स्थलों का मिलेगा पूरा ब्योरा, सैलानी प्रदेश की विशेषताओं को भी जानेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पर्यटन विभाग ने योजना बनाई है कि प्रदेश की सीमा में प्रवेश करते ही सैलानियों को सुविधाएं मिलना शुरू हो जाए और वह प्रदेश की विशेषताओं को जान जाएं। इसके लिए सभी मुख्य मार्गों पर प्रवेश द्वार बनाए जाएंगे। एक-एक सर्वसुविधायुक्त कॉम्प्लेक्स का भी निर्माण कराया जाएगा। वहां जिलों के विशिष्ट उत्पाद प्रदर्शित करने के साथ ही प्रमुख पर्यटन स्थलों की भी जानकारी दी जाएगी।

पर्यटन निदेशालय में मंगलवार को आयोजित बैठक में विभागीय मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि प्रदेश की सीमा में प्रवेश करने वाले मुख्य मार्गों पर शानदार द्वार लोक निर्माण विभाग के माध्यम से बनवाए जाएंगे। इनके पास ही सभी आधुनिक सुविधाओं से युक्त कॉम्प्लेक्स होगा, जिसमें होटल के अलावा स्थानीय एवं प्रदेश के विशिष्ट उत्पादों को रखा जाएगा। एक जिला एक उत्पाद योजना में चिन्हित उत्पादों को प्रदर्शित किया जाएगा। साथ ही प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में जानकारी देने के लिए पर्यटन केंद्र की भी स्थापना की जाएगी। निकट ही पेट्रोल पंप और खानपान आदि की भी सुविधा उपलब्ध होगी। विभिन्न योजनाओं-परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में नौ जुलाई को हुई बैठक में पर्यटन विभाग की प्रस्तावित परियोजनाओं के संबंध में कार्यवृत्त समय से तैयार नहीं किया गया था। भविष्य में ऐसा न हो। नेपाल से सटे सात जिलों में सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिए कार्यक्रम तैयार किए जाएं।

इन जिलों की सांस्कृतिक टीमें नेपाल में कार्यक्रम प्रस्तुत करें और वहां की टीमें इन सात जिलों में कार्यक्रम प्रस्तुत करें। वाराणसी, कुशीनगर, सुल्तानपुर और मऊ के पर्यटन विकास के 97 प्रस्तावों में से पांच को स्वीकृति मिलना नाकाफी है। अधिक से अधिक स्वीकृतियां जारी की जानी चाहिए।

जी-20 की बैठक के लिए तैयार करें पर्यटन स्थल

प्रमुख सचिव पर्यटन मुकेश कुमार मेश्राम ने कहा कि जी-20 की बैठक को लेकर पर्यटन विभाग को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस बैठक में 40 देशों के लोग आएंगे। इसके लिए प्रदेश में होटल, व्यंजन आदि के अलावा भ्रमण कराए जाने वाले पर्यटन स्थलों को तैयार कराया जाए। बैठक स्थल पर संस्कृति विभाग द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। जी-20 के सदस्यों के सहयोग के लिए फ्रेंच, जर्मन, रशियन आदि भाषाओं के गाइड भी प्रशिक्षित किए जाएंगे।

फैम टुअर का आयोजन करेगा पर्यटन विभाग

मुकेश मेश्राम के अनुसार लेबनानी प्रतिनिधिमंडल के लिए फैम टुअर का आयोजन किया जाएगा, जिसमें यूपी की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक धरोहरों से उन्हें परिचित कराने के साथ यहां के मुख्य व्यंजनों का लुत्फ भी वे उठा सकेंगे। उन्हें यूपी के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर ले जाकर वहां के वीडियोज का उनकी भाषा फ्रेंच, अंग्रेजी और अरबी में निर्माण कराया जाएगा। उन वीडियो का प्रचार-प्रसार वे अपने देश में करेंगे, जिससे भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता का प्रचार प्रसार होगा साथ ही पश्चिम मध्य एशिया और यूरोप के पर्यटकों को यूपी में पर्यटन के लिये आकर्षित किया जा सकेगा।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

प्रदेश में सूखे की आहट

कमजोर मानसून ने उत्तर प्रदेश के किसानों को बेहाल कर दिया है। प्रदेश में अब तक कुल बारिश का आंकड़ा 50.3 प्रतिशत रहा है। इसके कारण खरीफ की प्रमुख फसल धान की रोपाई प्रभावित हुई है। सिंचाई की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण हालात खराब हो चुके हैं। अन्य फसलों पर भी इसका असर दिखने लगा है। इससे इस बार चावल के उत्पादन में कमी आने की संभावना है। पर्याप्त बारिश नहीं होने के कारण सूबे में सूखे की आहट सुनाई देने लगी है। सवाल यह है कि सूखे के खतरे से निपटने के लिए क्या सरकार ने कोई ठोस योजना बनायी है? समय रहते किसानों को कमजोर मानसून की जानकारी क्यों उपलब्ध नहीं करायी जाती है? सिंचाई के साधनों का पर्याप्त विस्तार क्यों नहीं हो रहा है? क्या ऐसे ही किसानों की आय दोगुनी हो सकेगी? परंपरागत खेती के अलावा अन्य व्यवसायिक फसलों के प्रति किसानों को जागरूक क्यों नहीं किया जा रहा है? क्या कुछ आर्थिक सहायता देने भर से किसानों की समस्या समाप्त हो जाएगी? क्या कृषि केंद्रित अर्थव्यवस्था को संवारने और संभालने की जिम्मेदारी सरकार की नहीं है?

उत्तर प्रदेश समेत देश के अधिकांश राज्यों में आज भी किसान मानसून पर निर्भर रहते हैं। कमजोर मानसून का असर उत्तर प्रदेश में भी दिखाई देने लगा है। भले ही सरकार खेतों में धान व अन्य फसलों की रोपाई व बोवाई 95 प्रतिशत से अधिक होने का दावा कर रही हो लेकिर हकीकत इसके उलट है। बारिश उम्मीद से कम हुई है। 21 अगस्त तक प्रदेश में पिछले दो वर्षों में 89.4 व 92.5 प्रतिशत वर्षा हुई थी जबकि इस बार यह आंकड़ा महज 50.3 तक पहुंचा है। 22 जिलों में 40 और आठ जिलों में 25 फीसदी से भी कम बारिश हुई है। केवल बुंदेलखंड ऐसा क्षेत्र है जहां सामान्य से अधिक बारिश हुई। यहां 112.3 प्रतिशत बारिश हुई है। इसका सबसे अधिक असर छोटे जोत के किसानों पर पड़ रहा है। डीजल महंगा होने के कारण किसान फसलों की पर्याप्त सिंचाई नहीं कर पा रहे हैं। इससे धान की फसल सूखने की कगार पर पहुंच गयी है। साफ है प्रदेश में धान का उत्पादन प्रभावित होगा। किसानों की आय भी प्रभावित होगी। भले ही सरकार सूखे से प्रभावित किसानों को कुछ मदद दे दे लेकिन वह उनके लिए पर्याप्त नहीं होगी। यदि सरकार सूखे से किसानों को बचाना चाहती है तो उसे न केवल सिंचाई की पर्याप्त व्यवस्था करनी होगी बल्कि किसानों को राहत देने के लिए डीजल पर सब्सिडी देने की व्यवस्था भी करनी चाहिए। साथ ही मौसम की सटीक जानकारी किसानों को समय से उपलब्ध करानी होगी अन्यथा सूखे के कारण राजकोष पर बोझ बढ़ता रहेगा।

भले ही सरकार खेतों में धान व अन्य फसलों की रोपाई व बोवाई 95 प्रतिशत से अधिक होने का दावा कर रही हो लेकिन हकीकत इसके उलट है। बारिश उम्मीद से कम हुई है। 21 अगस्त तक प्रदेश में पिछले दो वर्षों में 89.4 व 92.5 प्रतिशत वर्षा हुई थी जबकि इस बार यह आंकड़ा महज 50.3 तक पहुंचा है। 22 जिलों में 40 और आठ जिलों में 25 फीसदी से भी कम बारिश हुई है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

विकसित भारत के लिए विदेश नीति

सतीश कुमार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ पर भारत को विकसित देश बनाने का आह्वान करते हुए उम्मीद जतायी कि 2047 तक भारत एक विकसित देश बन जायेगा। यह आह्वान महत्वपूर्ण भी है और चुनौतीपूर्ण भी। सबसे अहम सवाल विकास का है। महामारी ने कई देशों की कमर तोड़ दी है। दुनिया के कई देश आर्थिक संकट के दौर में है। आर्थिक विशेषज्ञ भारत की भी चिंता कर रहे थे, लेकिन भारत मजबूती के साथ संकटों से निकलता गया। आर्थिक वृद्धि की गति भी बढ़ रही है लेकिन मंजिल बहुत दूर है। हम लगभग तीन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के नजदीक हैं पर चीन से तुलनात्मक फासला पांच गुना है।

महामारी के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने आत्मनिर्भर भारत का संकल्प रखा। इसकी आलोचना भी खूब हुई। 'मेक इन इंडिया' पर 'मेड इन चाइना' की धाक थी। राजनीतिक बयान और आर्थिक प्रगति में अंतर है, लेकिन दो वर्षों में यह दिखने लगा कि भारत का आत्मनिर्भर संकल्प मजबूत बनता गया। विश्व राजनीति में हो रहे ध्रुवीकरण भारत के पक्ष में दिखने लगे। एक संकल्प अखंड भारत का भी है. इस सोच में कई पेंच हैं और इससे कई गलतफहमियां भी जुड़ी हुई हैं। अनेक विश्लेषक मानते है कि अखंड भारत की सोच एक आक्रामक चिंतन है, जिसमें पड़ोसी देशों की जमीन हड़पने की बात है, पर ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। भारत की पंचशील की बुनियादी विदेश नीति में कोई बदलाव नहीं आया है। बात केवल भारत के अंदरूनी क्षेत्रों को एकबद्ध करने की है, जिसमें पाक अधिकृत कश्मीर भी आता है। एकता में अनेकता को समझते हुए केवल विविधता की विवेचना भर नहीं, बल्कि एकरूपता की पहचान को भी स्थापित करने की जरूरत है। भारत को विकसित बनाने के लिए विदेश नीति कैसी होगी? क्या अखंड भारत और विकसित भारत की योजना सफल हो पायेगी, क्या चीन और पाकिस्तान के बीच सेतु टूट पायेगा? क्या चीन भारत को सहज और स्वाभाविक रूप से रूपांतरित होने देगा? ये प्रश्न अहम हैं। बीते आठ वर्षों में बिग डाटा के साथ भारत की तस्वीर बदलने लगी है।

विभिन्न सरकारी योजनाओं के साथ आधार के पंजीकरण ने न केवल नियमितता को बहाल किया बल्कि भ्रष्टाचार को भी समेटने का सफल प्रयास किया। भारत का आर्थिक प्रयास

2014 से पहले मैक्रो आर्थिक इकाई पर होता था, यानी विकेंद्रीकरण की बात केवल किताबों तक रह जाती थी। वह तरीका बदल गया। माइक्रो सोच सरकार की मुख्य धारा बन गयी। जगह और समूह को केंद्र में रखकर योजनाएं बनने लगीं और उनका अनुपालन होने लगा। आर्थिक योजनाओं की मलाई अक्सर इलीट वर्ग समेट लेता था। इस वर्ग का निर्माण भी बहुत हद तक भाषा के तर्ज पर होता था। अंग्रेजी पढ़ने-लिखने वाले फायदे में रहते थे लेकिन पिछले आठ साल में यह पद्धति बदल गयी। हाशिये के लोग आगे आने लगे और मध्य वर्ग का विस्तार हुआ। महिला, अनुसूचित जाति और भूमिहीन किसान जैसे वंचित तबके बुनियादी आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन से मजबूत हुए हैं। आज दुनिया भारत को एक महत्वपूर्ण शक्ति के रूप में देखने लगी है। चीन की विस्तारवादी नीति दुनिया के सामने है। श्रीलंका, पाकिस्तान, मलेशिया, ऑस्ट्रेलिया और अफ्रीकी देश चीन का दंश को झेल रहे है। भारत और चीन के बीच संघर्ष की स्थिति बनी हुई है। चीन ने कुछ वर्षों से वैश्विक व्यवस्था को अपने तरीके से संचालित करने की साजिश रची है, उससे दुनिया सहमी हुई है। रूस-यूक्रेन जंग के बीच भारत महाशक्तियों के केंद्र में है। भारतीय कूटनीति के लिए यह अग्निपरीक्षा का समय है। इसका अर्थ यह है कि भारत का निर्णय विश्व राजनीति के लिए निर्णायक होगा। भारत किसी भी तरह से शीत युद्ध की स्थिति पैदा नहीं होने देना चाहता। सबसे अहम चुनौती चीन-पाकिस्तान गठबंधन को तोड़ने और कमजोर करने की है। विश्व व्यवस्था भी पाकिस्तान और चीन से तंग है। भारत के लिए चीन से संघर्ष मुनासिब नहीं होगा लेकिन पाकिस्तान की धार को कुंद करने में भारत सफल होता है तो चीन की दक्षिण एशिया में पैठ कमजोर हो जायेगी। इसकी अग्नि परीक्षा पाक अधिकृत कश्मीर को भारत में विलय की स्थिति में होगी। चीन-पाकिस्तान गठजोड़ भारत विरोध पर टिका हुआ है। पाकिस्तान की भौगोलिक स्थिति के कारण उसकी पूछ है और यही भारत के लिए मुसीबत भी है। भारत की वर्तमान विदेश नीति में एक दृष्टि भी है और सामरिक समझ भी। मजबूत राजनीतिक व्यवस्था के जरिये भारत के लिए मंजिल तक पहुंचना असंभव नहीं होगा लेकिन परिवर्तन की धार अंदरूनी सोच और कर्मठता से स्पंदित होगी, जिसकी चर्चा प्रधानमंत्री मोदी ने पांच प्रणों के माध्यम से की है। पच्चीस वर्षों की यात्रा आसान नहीं होगी। भारतीय सामरिक समीकरण की सबसे बड़ी सफलता यह होगी कि चीन के साथ बिना लड़े हम अपनी जगह बनाने में सफल हो जाएं।

बड़ी परियोजनाओं की जवाबदेही का प्रश्न

पंकज चतुर्वेदी

धार जिले की धरमपुरी तहसील के ग्राम कोठीदा भारुडपुरा में करीब 304 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे निर्माणाधीन बांध में पहली ही बारिश में रक्षाबंधन के दिन रिसाव शुरू हो गया है। कारम मध्यम सिंचाई परियोजना के बांध के दाएं हिस्से में 500-530 के मध्य डाउन स्ट्रीम की मिट्टी फिसलने से बांध को खतरा पैदा हुआ था। इस बांध की लंबाई 590 मीटर और ऊंचाई 52 मीटर है। जब देश आजादी का 75वां साल मना रहा था, तब धार जिले के 12 और खरगोन जिले के छह गांवों के लोग आशंका-भय के साये में रात खुले में काट रहे थे। प्रशासन ने तो गांव खाली करवाने की घोषणा कर दी, लोग जैसे ही घर छोड़कर गए, उनके मवेशी चोरी हो गए, घरों के ताले टूट गए। फौज बुलाई, दो मंत्री और अफसरों का अमला वहां तीन दिन बना रहा, जैसे-तैसे पोक्लेन मशीनों से मिट्टी काट कर पानी निकलने का मार्ग बनाया, बांध फूटने से आने वाली बड़ी तबाही नहीं आई लेकिन पानी की निकासी ने हजारों हेक्टेयर खेत चौपट कर दिए, बांध में लगे तीन सौ चार करोड़ मिट्टी में मिल ही गये।

शायद हम भूल गए, बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन हुआ और अगले ही दिन पहली बरसात में सड़क कई जगह से बुरी तरह टूट गई। कई लोग घायल हुए, मामला सियासी आरोप-प्रत्यारोप में फंस गया, महज ध्वस्त हिस्से पर मरम्मत का काम हुआ और बात आई-गई हो गई। जान लें, इस 296 किलोमीटर की सड़क का खर्च आया था 14,800 करोड़ अर्थात हर किलोमीटर का 50 करोड़। यदि एक गांव में एक किलोमीटर का खर्चा लगा दें तो वह किसी यूरोप के शहर-सा लक-दक हो जाए। दिल्ली से मेरठ के एक्सप्रेस-वे को ही लें, इसे देश का सबसे चौड़ा और अत्याधुनिक मार्ग कहा गया। सन 1999 में कभी इसकी घोषणा संसद में हुई और फिर शिलान्यास 2015 में हुआ। यदि दिल्ली निजामुद्दीन से यूपी गेट और उधर मेरठ के हिस्से को जोड़ लें तो यह सड़क कुल 82 किलोमीटर की हुई। छह से 14 लेन की इस सड़क की लागत आई 8,346 करोड़।

हिसाब लगाएं प्रति किलोमीटर 101 करोड़ से भी ज्यादा। आज भी थोड़ी बरसात हो जाए तो पूरी सड़क स्विमिंग पूल बन जाती है, जगह-जगह सड़क धंस जाना आम बात है। 20 अगस्त, 22 को ही थोड़ी-सी बरसात हुई, इससे परतापुर के पास मिट्टी कटाव हुआ और सड़क धंसने लगी। असलियत यह है कि इस पर न ड्रेनेज माकूल है और न ही वायदे के मुताबिक वर्षा जल के संरक्षण की तकनीक काम कर रही है। दिल्ली के प्रगति मैदान में बनी सुरंग-सड़क को देश के वास्तु का उदाहरण कहा जा रहा है, इसकी लागत कोई 923 करोड़ है और शुरू होने के दस दिन बाद ही इसके निकासी पर जाम लगने लगा है, बरसात का पानी भर रहा है सो अलग। मध्य प्रदेश में कलियासोत नदी पर एक साल पहले ही बना करीब 529 करोड़ की लागत का पुल गिर गया है, पुल भोपाल से मंडीदीप मार्ग पर 11 मिल के समीप स्थित है, बिहार में तो गत पांच साल में कम से कम दस पुल बनते ही बिखर गए। सरकारी भवन खासकर स्कूल और अस्पताल भवनों की गुणवत्ता पर तो सारे देश से सवाल उठाते ही रहते हैं। जब देश में विकास का पैमाना ही सड़क, पक्के निर्माण, ब्रिज आदि हो गए हैं और इन पर बेशुमार धन व्यय भी हो रहा है तो फिर इनके निर्माण गुणवत्ता पर लापरवाही क्यों हो रही है?

म.प्र. के धार में जो बांध पूरा होने से पहले ही फूट गया, उसका निर्माण एक ऐसी कम्पनी कर रही थी जिसे राज्य शासन ने पांच साल पहले प्रतिबंधित या ब्लैक लिस्ट किया था। होता यह है कि ठेका तो किसी अन्य फर्म के नाम होता है। इस तरह की कंपनियां ठेकेदार से 'पेटी-ठेका' ले लेती हैं और काम करती हैं। यह भी संभव है कि ठेका जिस कम्पनी को मिला है, वह प्रतिबंधित कम्पनी की ही शेल कम्पनी हो। परन्तु सारा जिम्मा ठेकेदार पर तो डाला नहीं जा सकता, हर छोटी-बड़ी परियोजना का अवलोकन, निरीक्षण, गुणवत्ता और मानक को सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी तो सरकारी इंजीनियर की ही होती है। उसी के सत्यापन से सरकारी खाते से बजट आवंटित होता है।

यह सच है कि कोविड के चलते कई निर्माण परियोजनाएं अपने निर्धारित लक्ष्य से बहुत पीछे हैं और एक तो उनकी पूंजी फंसी है, दूसरा समय बढ़ने से लागत बढ़ गई है, तीसरा हर परियोजना पर जल्द पूरा करने का सरकारी दबाव है। कई जगह तो काम की स्थिति देखे बगैर आला नेताओं से लोकार्पण की तारीख तय कर दी गई और फिर आनन-फानन में आधे-अधूरे काम का लोकार्पण करवा लिया गया। निर्माण कार्य खासकर सड़क पर प्राय: आने वाले दस साल का ख्याल ही नहीं रखा जा रहा है और तभी कोई फ्लाई ओवर बनने के कुछ दिनों बाद ही जाम का सबब बन जाता है। असल सवाल यही है कि जनता के कर से वसूले गए पैसे से जब शहरी मूलभूत सुविधा जोड़ने की ऐसी परियोजना बन रही है जिसके दस फीसदी कम से गांव को स्कूल, अस्पताल, सड़क, बिजली आदि से जोड़ा जा सकता हो और उसमें भी न गुणवत्ता है और न ही निकट भविष्य का आकलन तो ऐसे कार्यों पर कड़ी कार्यवाही होती क्यों नहीं दिखती? आजादी के 100 साल के सफर के शेष 25 साल इसीलिए चुनौतीपूर्ण हैं क्योंकि अब विकास में बड़ी पूंजी का निवेश हो रहा है और ऐसी परियोजना के असफल होने का अर्थ होगा निर्धारित लक्ष्य की तरफ दौड़ते देश के पैरों में बेड़ी।

खून में पीलिया के जहर को साफ करते हैं ये यूनानी नुस्खे

पीलिया का यूनानी इलाज

पीलिया का यूनानी इलाज क्या है? यूनानी चिकित्सा पद्धति के अनुसार, लीवर शरीर का एक महत्वपूर्ण अंग है जिसका कामकाज शरीर को पोषण देना है। यूनानी में इसे चार हिस्सों में विभाजित किया गया है जोकि बांध (संगुइन), बलघम (कफ), सफरा (पीला पित्त) और सौदा (काला पित्त) हैं। प्रत्येक का अपना सामान्य स्वभाव होता है। हास्य की गुणवत्ता और मात्रा में गड़बड़ी के कारण पीलिया सहित लीवर के रोग होते हैं। नेशनल हेल्थ पोर्टल ऑफ इंडिया के अनुसार, कुछ यूनानी एकल दवाओं के साथ कुछ सामान्य घरेलू तरीके पीलिया को ठीक करने में मदद कर सकते हैं।

पीलिया एक आम बीमारी है, जो लीवर की खराबी से जुड़ी है। यूनानी चिकित्सीय पद्धति में पीलिया को यरकान कहा जाता है। यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें खून में अधिक मात्रा में बिलीरुबिन बनने लगता है। बिलीरुबिन लाल रक्त कोशिकाओं यानी रेड ब्लड सेल्स से हीमोग्लोबिन के टूटने से बनने वाला एक यौगिक है। पीलिया क्या है? इस बीमारी को पीलिया इसलिए कहा जाता है क्योंकि खून में बिलीरुबिन ज्यादा बढ़ जाने से त्वचा, श्लेष्मा झिल्ली और आंखों का सफेद हिस्सा पीला नजर आने लगता है। ऐसा माना जाता है कि जब लीवर में कुछ खराबी आती है और वो अपना काम सही तरह नहीं कर पाता है, तो बिलीरुबिन बढ़ने लगता है। पीलिया का इलाज क्यों जरूरी है? खून में बिलीरुबिन की ज्यादा मात्रा बढ़ने यानी गंभीर पीलिया लीवर की विफलता का कारण बन सकता है क्योंकि बिलीरुबिन का निर्माण अत्यंत विषैला होता है। खून में बिलीरुबिन की मात्रा wmg/dl तक नहीं पहुंचनी चाहिए।

टमाटर का रस

एक गिलास टमाटर के रस में चुटकी भर नमक और काली मिर्च मिलाकर सुबह खाली पेट पीने से पीलिया रोग में बहुत ही असरदार घरेलू उपचार होता है।

मूली के पत्ते

मूली के कुछ पत्ते लेकर छलनी की सहायता से उसका रस निकाल लें। निकाले गए रस का लगभग आधा लीटर प्रतिदिन सेवन करें, लगभग दस दिनों में रोगी को रोग से मुक्ति मिल जाएगी।

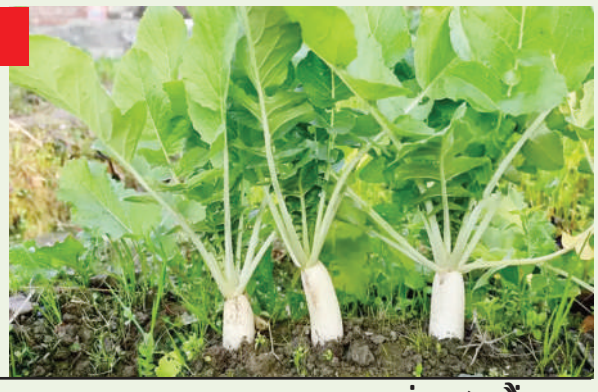

गन्ने का रस

गन्ना उचित पाचन और लीवर के बेहतर कामकाज में मदद करता है, जिससे रोगी को पीलिया (यरकान) से जल्दी ठीक होने में मदद मिलती है। एक गिलास गन्ने का रस लें और इसमें थोड़ा सा नीबू का रस मिलाएं। बेहतर परिणाम के लिए इस जूस को दिन में दो बार पियें। गन्ने का रस निकालने से पहले गन्ने को अच्छी तरह से साफ कर लें।

आंवला/करौंदा

आंवला विटामिन सी का एक अच्छा स्रोत है और यरकान (पीलिया) के लक्षणों को कम करने में बहुत उपयोगी है। इसके लिए आप रोजाना सुबह आंवला जूस ले सकते हैं या फिर काले नमक के साथ चबा सकते हैं।

पपीते के पत्ते

एक चम्मच पपीते के पत्तों के पेस्ट में एक चम्मच शहद मिलाएं। इसे लगभग एक या दो सप्ताह तक नियमित रूप से खाएं। यह पीलिया का बहुत ही असरदार घरेलू इलाज है।

जौ

एक कप जौ के पानी को लगभग तीन लीटर पानी में उबालें और इसे लगभग तीन घंटे तक उबलने दें। यरकान (पीलिया) से जल्दी ठीक होने के लिए इस पानी को दिन भर में जितनी बार हो सके पियें।

तुलसी के पत्ते

लगभग 10-15 तुलसी के पत्ते लें और उसका पेस्ट बना लें। इसमें आधा गिलास ताजा तैयार मूली का रस मिलाएं। बेहतर परिणाम के लिए इस तैयारी को लगभग दो से तीन सप्ताह तक रोजाना पियें।

हंसना मना है

टिंकू दोस्त से बोला- और सुना यार, बीवी से झगड़ा खत्म हुआ या नहीं? मिंकू- अबे घुटनों पर चल कर आयी थी मेरे पास, घुटनों पर। टिंकू- क्या बात कर रहा है, सच में...? मिंकू- और क्या... टिंकू- फिर क्या बोली? मिंकू- बोली बेड के नीचे से बाहर आ जाओ, पक्का अब नहीं मारुंगी!

टीना- रातभर मुझे नींद नहीं आई, मीना- क्यों? टीना - रातभर मैंने सपने में देखा कि मैं जाग रही हूं.

रमेश अपने दोस्त सुरेश के घर खाना खा रहा था। रमेश- यार तुम्हारा कुत्ता मुझे काफी देर से घूर रहा है? सुरेश- जल्दी से खाना खा लो, वरना काट भी लेगा, क्योंकि तुम उसी के बर्तन में खा रहे हो!

सुबह-सुबह पत्नी नींद से उठते ही बोली- अजी सुनते हो? पति- बोलो! क्या हुआ? पत्नी- मुझे सपना आया कि आप मेरे लिए हीरों का हार लेकर आए हो पति- ठीक है, तो वापस सो जाओ और पहन लो!

कसाई बकरे को लेकर काटने जा रहा था, बकरा मैं-मैं चिल्ला रहा था। तभी एक बच्चे ने पूछा- आपका बकरा क्यों चिल्ला रहा है ? कसाई- मैं इसे काटने ले जा रहा हूं, इसलिए। बच्चा- मैने सोचा स्कूल ले जा रहे होंगे !

कहानी — दैत्य का संदूक

हिमालय की तराई में कभी एक बौद्ध साधु रहता था, जिसके उपदेश सुनने एक दबंग दुष्ट (दैत्य) भी आता था। किन्तु दबंग दुष्ट अपनी दानवी(दमन करने की वृत्ति) प्रवृत्ति के कारण राहगीरों को लूटता था और उन्हें मारता था । एक बार उसने काशी के एक धनी सेठ की पुत्री और उसके अनुचरों की सवारी पर आक्रमण किया। दैत्य को देखते ही उस कन्या के सारे अनुचर अपने अस्त्र-शस्त्र छोड़ भाग खड़े हुए। सेठ की कन्या को देखकर दैत्य उस पर मुग्ध हो गया। उसने उसकी हत्या न कर उसके साथ ब्याह रचाया। इस डर से कि वह सुन्दर कन्या कहीं भाग न जाय वह उसे एक संदूक में बंद कर देता था। एक दिन वह दैत्य साधु से मिलने जा रहा था तभी उसकी नजर एक सुन्दर झील पर पड़ी। गर्मी बहुत थी। इसलिए वह झील के पास आया। उसने अपने साथ लिए हुए संदूक बाहर निकाला। फिर संदूक को खोलकर कन्या को बाहर निकाला और उसे जलाशय में अपने हाथों से स्नान कराया। उसके बाद वह स्वयं जलाशय में स्नान करने लगा। मुक्त हो कन्या जलाशय के किनारे विचरण करने लगी। तभी कन्या की नजर एक नव युवक पर पड़ी जो एक जादूगर भी था। उस अत्यंत सुन्दर युवक को देख कन्या ने उसे इशारों से अपने पास बुलाया। फिर प्रेम-क्रीड़ा करने के लिए उसने उसे संदूक में बैठने को कहा। युवक जब वहां बैठ गया तब वह उसे अपने लिबास से ढंक कर स्वयं उसके ऊपर जा बैठी। नहा कर दैत्य जब लौटा तो उसने संदूक को बंद कर लिया। दैत्य जब साधु के आश्रम में पहुंचा तो साधु ने उसका स्वागत करते हुए कहा, आप तीनों का स्वागत है। साधु की बात सुन दैत्य चौंक गया क्योंकि वह नहीं जानता था कि कन्या और उसके अतिरिक्त भी कोई तीसरा उनके साथ था। साधु की बात सुनते ही उसने संदूक को बाहर निकाला। ठीक उसी समय युवक संदूक से बाहर निकल रहा था। उस समय तक वह अपनी तलवार ध्यान से पूरी तरह खींच भी नहीं पाया था। अगर और कुछ क्षणों का विलम्ब होता तो वह निश्चित रुप से दैत्य का पेट फाड़ देता। दैत्य को देख युवक भाग खड़ा हुआ। साधु के वचन एवं ज्ञान को सुनने के कारण चूंकि दैत्य की जान बच गई थी इसलिए उसने साधु का धन्यवाद ज्ञापन किया। साधु ने तब उसे शीलवान् बनने की शिक्षा दी और उस कन्या को भी मुक्त करने का परामर्श दिया। उस दिन के बाद से दैत्य शीलव्रती बन गया।

11 अंतर खोजें

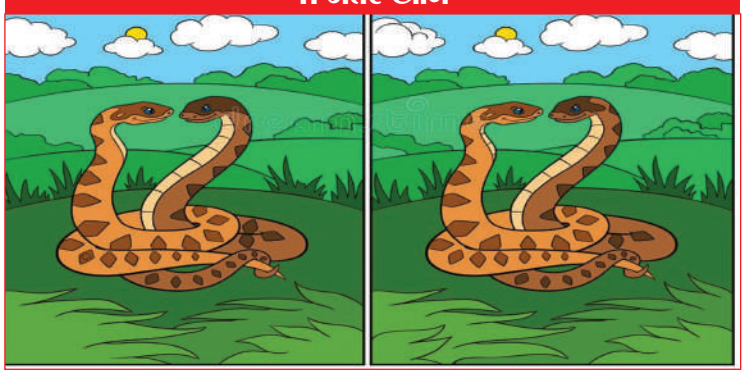

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — आज आपके लिए भाग्य और कर्म का अद्भुत मेल रहने वाला है। पूर्व के लंबित कार्य आज गति पकड़ेंगे। किसी महिला मित्र से सहयोग मिलने के कारण उन्नति के आसार बन रहे हैं। संतान से सुख मिलेगा।

वृषभ — आज आपके सोचे हुए सभी काम पूरे हो जायेंगे। किसी नए बिजनेस में पैसा लगाने के बारे में आप सोच सकते है। आपके लिये बहुत-सी चीजे आज फायदेमंद होगी। आज आपको जीवनसाथी से पूरा सपोर्ट मिलेगा।

मिथुन — आज आपका आत्मविश्वास और साहस चरम पर रहेगा। राजनीति या सामाजिक कार्यों से जुड़े लोग कई बैठकों आदि में भाग लेंगे। आप जटिल समस्याओं का समाधान पाएंगे। वित में किए गए प्रयास वांछित परिणाम देंगे।

कर्क — आज किसी खास काम के लिए आपके मन में कोई नया विचार आ सकता है। आप उस पर जल्द ही काम भी शुरू कर सकते हैं। काम की पहले से ही रुपरेखा जरूर बना लें फायदेमंद साबित होगा।

सिंह — नए व्यापार संबंधों और सौदों को अंतिम रूप देने के लिए के लिए यह एक अनुकूल अवधि है। आप में से कुछ महत्वपूर्ण लोगों से संपर्क स्थापित कर अधिक प्रभावशाली बन जाएंगे।

कन्या — आज कामकाज के मामले में परिस्थिति बेहतर रहेगी। आप खुद को सेहतमंद महसूस करेंगे। आज जीवनसाथी के साथ किसी धार्मिक स्थल की यात्रा कर सकते हैं, इससे आपके संबंधों की मजबूती बरकरार रहेगी।

तुला — यदि आप अपना स्वयं का व्यवसाय कर रहे हैं तो साझेदारी में प्रवेश करने का यह एक अच्छा समय है जो भविष्य में लाभकारी होगा। अगर आप नौकरी के लिए परीक्षा या प्रतियोगिता या साक्षात्कार में उपस्थित होते हैं तो आपको सफलता मिलेगी।

वृश्चिक — आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। खुद की मेहनत से आप परिवार की अपेक्षाओं पर खरे उतरने में कामयाब होंगे। किसी जरुरी काम में आज आपको सफलता मिल सकती है। इस राशि के मीडिया के लोगों के लिये आज का दिन बेहतर रहेगा।

धनु — आपके पास कई अवसर होंगे और आप वरिष्ठों से एहसान प्राप्त करेंगे। आपका करियर और आपकी वित्तीय स्थिति में भी काफी सुधार होगा। प्रेमियों के लिए सुखद समय रहेगा। आप महत्वपूर्ण लोगों के साथ नए सम्बन्ध स्थापित करेंगे।

मकर — आज आपको दूसरों से अपनी पर्सनल बात शेयर करने से बचना चाहिए। किस्मत का साथ मिलने में थोड़ी परेशानी आ सकती है। आप किसी सामाजिक कार्य में अपना सहयोग दे सकते हैं। जीवनसाथी के साथ आपके संबंध बेहतर होंगे।

कुम्भ — यद्यपि आपकी मां की स्वास्थ्य-स्थिति आपको चिंतित रखेगी और आपके बच्चे भी अच्छे स्वास्थ्य में नहीं हो सकते हैं। किन्तु भौतिक समृद्धि की स्थिति बहुत फायदेमंद होगी और आपको विभिन्न स्रोतों से लाभ होगा।

मीन — किसी अधूरे काम में आज हाथ लगाने से वह जल्द ही पूरा हो सकता है। ऑफिस में प्रमोशन के लिए आपको नया मौका मिल सकता है। इस राशि के छात्र अगर योजना बनाकर तैयारी करेंगे, तो करियर में उन्नति के अच्छे रास्ते खुल सकते हैं।

अगर आप मुझे पसंद नहीं करते हैं, तो मेरी फिल्में मत देखिए : आलिया

आलिया भट्ट ने हाल ही में उन्हें नेपोटिज्म के लिए क्रिटिसाइज करने वालों को जवाब दिया है। एक इंटरव्यू में आलिया ने कहा कि अगर कुछ लोग उन्हें पसंद नहीं करते हैं, तो फिर उनकी फिल्में देखना बंद कर दें। आलिया को आए दिन नेपोटिज्म की बहस में टारगेट किया जाता है। एक्ट्रेस इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म ब्रह्मास्त्र के प्रमोशन में बिजी हैं। एक इंटरव्यू में आलिया ने कहा कि इसे डील करने के दो रास्ते हैं। पहला इसे कंट्रोल करके और मैं अपना स्पेस और अपनी जगह साबित कर सकती हूं। मुझे लगता है कि सिर्फ मैं अपनी फिल्मों के जरिए इन ट्रोल्स का मुंह बंद कर सकती हूं। इसलिए रिस्पॉन्ड ही मत करो और न ही बुरा फील करो। मुझे भी बुरा लगता था, लेकिन जिस काम के लिए लोग आपसे इतना प्यार करते हैं, आपका सम्मान करते हैं, उसके लिए बुरा महसूस करना एक बहुत छोटी कीमत होगी। मैं चुप रहती हूं, अपना काम करती हूं और घर चली जाती हूं। मैंने गंगूबाई काठियावाड़ी जैसी फिल्म दी है। मैं बोलकर अपना बचाव नहीं कर सकती हूं। अगर आप मुझे पसंद नहीं करते हैं, तो मेरी फिल्में और मुझे मत देखो। इससे ज्यादा मैं क्या ही कर सकती हूं। आलिया ने आगे कहा लोगों के पास हमेशा कुछ न कुछ कहने के लिए होता है। उम्मीद है कि मैं अपनी फिल्मों के जरिए उन्हें साबित कर पाऊंगी कि मैं उस जगह के लायक हूं, जिस जगह पर मैं हूं। मेरा जन्म ऐसी फैमिली में हुआ, उसे मैं कैसे कंट्रोल कर सकती हूं। मैं कैसे कंट्रोल कर सकती हूं कि मेरे पेरेंट्स का प्रोफेशन क्या था। आप चाहते हैं कि मैं अपने पापा की मेहनत के लिए शर्मिंदगी महसूस करूं। हां मुझे चीजें आसानी से मिली हैं, लेकिन मैं अपने काम के लिए बहुत मेहनत करती हूं। आलिया हाल ही में नेटफ्लिक्स की ओरिजिनल फिल्म डार्लिंग्स में नजर आई थीं। जसमीत के रीन की निर्देशित फिल्म में शेफाली शाह और विजय वर्मा भी लीड रोल में थे। आलिया पहली बार अपने पति रणबीर कपूर के साथ ब्रह्मास्त्र में नजर आएंगी। अयान मुखर्जी के डायरेक्शन में बनी फिल्म 9 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

कपिल के शो के नए सीजन की शूटिंग शुरू

कपिल शर्मा इन दिनों द कपिल शर्मा शो के नए सीजन के साथ कमबैक की तैयारी कर रहे हैं। एक्टर-कॉमेडियन कपिल शर्मा ने हाल ही में अपने अपकमिंग सीजन का लुक सोशल मीडिया पर शेयर किया था। कपिल ने लिखा था, न्यू सीजन, न्यू लुक। अब खबरें आ रही हैं कि कपिल ने अपने शो की शूटिंग मुंबई के फिल्म सिटी स्टूडियो में शुरू कर दी है। साथ ही रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि अक्षय कुमार शो के पहले गेस्ट होंगे। पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक कपिल और उनकी टीम ने कुछ दिनों पहले से शो के नए सीजन की शूटिंग के लिए तैयारियां और रिहर्सल शुरू कर दिए थे। कपिल अपने अपकमिंग सीजन के पहले एपिसोड के लिए अक्षय कुमार के साथ शूट कर रहे हैं। अक्षय शो पर अपनी अपकमिंग फिल्म कटपुतली को प्रमोट करने पहुंचे हैं। उनकी को-स्टार्स रकुल प्रीत सिंह और सरगुन मेहता भी इसका हिस्सा होंगी। कपिल शर्मा के शो में हाल ही में कुछ बदलाव किए गए हैं। शो पर सपना का कैरेक्टर प्ले करने वाले कृष्णा अभिषेक एग्रीमेंट इश्यू के चलते शो के नए सीजन से बाहर हो गए हैं। वहीं भारती सिंह भी शो में कभी-कभी ही नजर आएंगी, वो शो का एक्टिवली हिस्सा नहीं होंगी। भारती ने पिंकविला से बात करते हुए कहा, मैं एक छोटे से ब्रेक पर हूं और मैं सा रे गा मा पा लिल चैंप के 9वें सीजन का भी हिस्सा हूं। इसलिए ऐसा नहीं है कि मैं कपिल शर्मा शो नहीं करूंगी, लेकिन मैं शो पर रेगुलर तौर पर नजर नहीं आउंगी। मैं दिखुंगी पर बीच-बीच में दिखूंगी, क्योंकि मेरे पास अब एक छोटा बच्चा भी है। साथ ही मुझे कुछ शोज और इवेंट्स भी होस्ट करने हैं।

पार्टी करते हुए मुंबई में स्पॉट की गईं न्यासा

बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन की बेटी न्यासा देवगन को अक्सर उनके बी टाउन फ्रेंड्स के साथ स्पॉट किया जाता है। उनकी पार्टी की फोटोज भी सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं। अब हाल ही में न्यासा को पार्टी करते हुए मुंबई में स्पॉट किया गया। यहां वो अपने बी-टाउन फ्रेंड्सजाह्नवी कपूर और ओरहान अवात्रामणि के साथ नजर आईं। ओरहान ने इंस्टाग्राम पर पार्टी की तस्वीरें शेयर की, जिसमें स्टार किड्स मस्ती करते दिख रहे हैं। पार्टी में न्यासा ने ब्लू कलर का टॉप पहना था और उसे डेनिम स्कर्ट के साथ पेयर किया था।

वहीं जाह्नवी ने पार्टी के लिए ब्लैक मिनी ड्रेस पहनी थी। जाह्नवी और न्यासा को कुछ दिनों पहले ही एम्सटर्डम में स्पॉट किया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, न्यासा पार्टी की भी शौकीन हैं, जहां वो एक रेस्टोरेंट में अपने दोस्तों के साथ पोज देते हुए नजर आए थे। जाह्नवी

पहले से ही एक स्टार हैं, वहीं फैंस न्यासा के बॉलीवुड डेब्यू का इंतजार कर रहे हैं। न्यासा एक्ट्रेस काजोल और

बॉलीवुड | मसाला

अजय देवगन की बड़ी बेटी हैं। वो फिलहाल लंदन में पढ़ाई कर रही हैं। उनके फ्यूचर के बारे में बात करते हुए अजय ने एक बार फिल्म कंपेनियन से कहा था कि मुझे नहीं पता कि वह फिल्म इंडस्ट्री में आना चाहती है या नहीं। उसकी इस फील्ड में आने की अभी कोई इच्छा नहीं है। लेकिन बच्चों का मन कभी भी बदल सकता है, खैर अभी वो अपनी पढ़ाई पूरी कर रही है। कि बता दें कि न्यासा का एक 11 साल का भाई भी है। जिसका नाम युग देवगन है।

इस शख्स को अजीबोगरीब चीजें खाने का था शौक, दो साल में खा गया पूरा हवाई जहाई!

कुछ लोगों को खाने पीने का बेहद ही शौक होता है, और वह अपने इस शौक को पूरा करने के लिए जमकर खाते हैं। लेकिन आज हम आपको जिस शख्स के बारे में बताने जा रहे हैं उसका खाने पीने का शौक दुनिया के अन्य लोगों से थोड़ा अलग है। क्योंकि ये शख्स एक हवाई जहाज को पूरा खा गया। ये बात जानकर आपको यकीन नहीं हो रहा होगा। लेकिन बात बिल्कुल सही है। क्योंकि फ्रांस के रहने वाले मिचेल लोटिटो को धातु की चीजें खाने का शौक था और वह करीब दो साल में एक हवाई जहाज को पूरा का पूरा खा गए। जानकारी के मुताबिक मिचेल लोटिटो का जन्म फ्रांस के ग्रेनोबल में 15 जून 1950 को हुआ था। लोटिटो जब 16 साल के हुए तो उन्हें असामान्य चीजें खाने का शौक लग गया। उनकी इस बीमारी को मेडिकल की भाषा मे पिका कहा जाता है। यह एक ऐसी बीमारी होती है, जिसमें लोग इंसानी खाने को पचा नहीं पाते, जबकि असामान्य चीजें खाकर आसानी से पचा लेते हैं। शुरुआत में लोटिटो अपने नाखून से लेकर कांच के टुकड़े तक खा जाते थे। जिन्हें वह आसानी से हजम कर लेते थे। बताया जाता है कि लोटिटो जब भी केले, उबले हुए अंडे या ब्रेड जैसी सामान्य चीजें खाते थे, तो उन्हें पचा नहीं पाते थे, लेकिन किसी धातु की चीज को वो खा लेते तो आसानी से उसे हजम कर जाते थे। दुनिया के लोग उन्हें अजीबोगरीब इंसान मानते थे लेकिन लोटिटो खुद को सामान्य मानते और ये सब करना उन्हें अच्छा लगता था। उन्होंने 1966 में इसका प्रदर्शन करना भी शुरू कर दिया था। कहते हैं कि बड़ी संख्या में लोग उनके इस करतब को देखने के लिए टिकट लेकर आते थे। लोटिटो ने लोगों के सामने बैठकर पलंग से लेकर टेलीविजन सेट, कंप्यूटर, साइकिल और धातु की कई चीजें खाकर दिखाई थी। धातु से बनी चीजें खाने के लिए वो पहले उन्हें छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लेते थे और उन्हें बराबर मात्रा में पानी और मिनरल ऑयल के साथ खाया करते थे। यही नहीं वह पेट्रोल भी पी जाते थे। पेट्रोल पीने के पीछे उन्होंने वजह बताई थी कि इससे उनका गला चिकना हो जाता था, जिससे धातु की चीजें निगलने में आसानी होती है। डॉक्टरों के मुताबिक, लोटिटो के पेट की आंतों में एक मोटी संरक्षण परत थी, जो सामान्य इंसानों में नहीं होती। यही वजह है कि वो धातु हो या कांच या रबर, बड़ी आसानी से खाकर पचा लेते थे। मिचेल लोटिटो का नाम उस वक्त सुर्खियों में आया जब साल 1978 में उन्होंने सेसना 150 हवाई जहाज को टुकड़ों-टुकड़ों में खाना शुरू किया और केवल दो साल में ही यानी 1980 तक वो पूरा का पूरा हवाई जहाज ही खा गए।

अजब-गजब | इस रेगिस्तान में कभी ड्रम तो कभी बजता है गिटार

इसे कहा जाता है भूतों का रेगिस्तान जिसमें सुनाई देता है रहस्यमय संगीत

दुनिया में रहस्यों की कमी नहीं है। इनमें से एक है मोरक्को का रेगिस्तान। जहां सदियों से लोगों को रहस्यमयी संगीत सुनाई देता है। इस रेगिस्तान में कभी ड्रम तो कभी गिटार बजता सुनाई देता है। कभी-कभी वायलिन या अन्य वाद्ययंत्रों के संगीत की धुन में लोगों को सुनाई देती है। ये ऐसा रेगिस्तानी इलाका है जहां दूर-दूर तक इंसानों का नामो निशान दिखाई नहीं देता। लेकिन संगीत की प्यारी धुन लोगों के बीच सदियों से कौतूहल का विषय बनी हुई है।

जो भी इस रहस्यमयी संगीत को सुनता है आश्चर्य में पड़ जाता है। यहां से गुजरने वाले लोगों का मानना है कि शायद यहां भूत-प्रेत रहते हैं, जो राहगीरों को डराते हैं। ऐसा न जाने कितने दशकों से चला आ रहा है। मगर कभी भी कोई इसकी सही वजह नहीं ढूंढ पाया। बता दें कि इससे पहले 13वीं शताब्दी में जब यात्री मार्को पोलो पहली बार चीन पहुंचे थे तो वहां के रेगिस्तानी इलाकों में ऐसे ही संगीत की धुनें उन्होंने भी सुनी थीं। मार्को पोलो ने भी अनुमान लगाया था कि ये शायद आत्माएं हैं, जो रेगिस्तान में भटकती हैं। मगर ऐसा कैसे हो सकता है कि दो बिल्कुल अलग-अलग जगहों

पर एक सी ही घटनाएं हों और वह भी इतने समय के बाद। इस रेगिस्तान में संगीत सुनाई देने की वजह वैज्ञानिकों ने ढूंढ निकाली है। लैब में लंबे समय तक हुए परीक्षणों के बाद पाया गया कि रेगिस्तान में बने रेत के टीलों के नीचे जब रेत खिसकती है। तो उसके वाइब्रेशन से यह संगीत पैदा होता है। शोधकर्ताओं ने के मुताबिक इसके लिए रेत के कणों का आकार भी जिम्मेदार है। कणों का आकार और रेत के खिसकने की गति उस संगीत जैसी ध्वनि के मुख्य कारक हैं। रेगिस्तान में जब तेज हवा चलती है तो रेत के खिसकने से ये सभी प्रक्रियाएं वातावरण में संगीत की ध्वनि के रूप में फैल जाती हैं। जो लोगों को रहस्यमयी संगीत सुनाई देता है। जहां रेत का घनत्व ज्यादा होता है, कहीं हवा के कारण रेत तेजी से खसकती है। इस वजह से संगीत की धुनें भी अलग-अलग निकलती है।

भाजपा सरकार में यूपी बना अराजक प्रदेश : अखिलेश

- अपराधी बेलगाम, असुरक्षा में जी रहे लोग
- महिला अपराधों में प्रदेश नंबर वन, कानून व्यवस्था ध्वस्त
- 2024 में भाजपा को बेदखल करेगी जनता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में उत्तर प्रदेश अराजक प्रदेश बन गया है। यहां अपराधी बेलगाम है, प्रशासन नाकाम है और जनता से किए गए भाजपा सरकार के वादे खोखले और जनता को धोखे में रखने वाले हैं। लोग असुरक्षा में जी रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने सत्ता में आते ही कानून व्यवस्था सुधारने के लंबे चौड़े बयान दिए थे। आज भी वह यह कहते नहीं थकते कि भाजपा सरकार में बेटियां सड़क पर सुरक्षित निकल रही है। शुरू में उन्होंने रोमियो स्क्वाड और मिशन शक्ति के भी खूब विज्ञापन छपवाए थे लेकिन हकीकत में उत्तर प्रदेश महिला उत्पीड़न एवं दुष्कर्म के अपराधों में पहले नंबर पर है।

उन्होंने कहा कि सड़कों पर सत्ता संरक्षित असामाजिक तत्व बेटियों के लिए काल बन रहे हैं। फतेहपुर में छेड़छाड़ से तंग आकर 18 वर्षीय युवती ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। अयोध्या में महिला साध्वी को महंत बनने से रोकने और जान से मारने की धमकी भाजपाई दे रहे है। मेरठ

के रोहटा गांव में बेटे के सामने ही महिला की नृशंस हत्या कर दी गई। महिला सशक्तीकरण का मजाक यह है कि रोज ही महिलाएं अपमानित और उत्पीड़न का शिकार हो रही है। कई भाजपा नेताओं के भी नाम दुष्कर्म के मामले में सामने आए हैं। मासूम बच्चियों के साथ दुष्कर्म और हत्या की घटनाएं रोज घट रही हैं। क्या भाजपा सरकार का यही रामराज्य है?

उन्होंने कहा कि भाजपा राज पूरी तरह अंधेर राज में बदल गया है। सच बात तो यह है कि भाजपा सरकार में कानून व्यवस्था चौपट है। कानून व्यवस्था पर शासन-प्रशासन का कोई नियंत्रण नहीं रह गया है। अपराधी बेखौफ हैं और जनता भय और आतंक में जीने को मजबूर है। लोक सभा चुनाव 2024 का सबको इंतजार है। अब सब अपने मताधिकार से भाजपा की अहंकारी सरकार को सत्ता से बेदखल करने का पक्का मन बना चुके हैं।

नीतीश कुमार को पीएम उम्मीदवार बनाने के लिए बनाएंगे माहौल : कुशवाहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। जदयू संसदीय बोर्ड के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि नीतीश कुमार विपक्ष की ओर से प्रधानमंत्री पद के प्रत्याशी हों इसके लिए हम माहौल जरूर बनाएंगे पर यह हमारे दल की कोई शर्त नहीं है।

उन्होंने कहा कि विपक्ष की एकता के सवाल पर यह विषय हम नहीं कह रहे। हम कहीं से विपक्ष की एकता में बाधक नहीं बनेंगे। हमारी सोच यह है कि प्रधानमंत्री पद के लिए नीतीश कुमार से बेहतर कोई नाम नहीं हो सकता। बिहार के लिए यह विशेष अवसर है। इसके लिए हम सभी को प्रयास करना चाहिए। गौरतलब है कि जदयू की ओर से बार-बार यह कहा जा रहा है कि सीएम नीतीश कुमार पीएम पद की सारी योग्यता रखते हैं। हालांकि, लगे हाथ यह भी कहा जाता है कि वे पीएम पद के उम्मीदवार नहीं हैं।

सोनिया-राहुल से मिले भाजपा विधायक अनिल, बोले

जिस पार्टी में मान-सम्मान वही मेरी प्राथमिकता

- 2017 में कांग्रेस छोड़कर शामिल हुए थे भाजपा में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मंडी। हिमाचल प्रदेश के मंडी सदर से भाजपा विधायक एवं पूर्व मंत्री अनिल शर्मा ने नई दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि जिस पार्टी में मान-सम्मान मिलेगा वही मेरी प्राथमिकता होगी।

सूत्रों के मुताबिक विधायक अनिल शर्मा ने 2017 के विधान सभा चुनाव के दौरान कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने की अपनी मजबूरी सोनिया और राहुल गांधी को बताई है। हालांकि, उनकी क्या मजबूरी थी, इसका खुलासा नहीं हो पाया है। इससे पूर्व अनिल ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की थी। दिल्ली से लौटकर अनिल शर्मा ने बताया कि कांग्रेस और भाजपा दोनों पार्टियों के बड़े नेताओं से बात कर ली है। जिस पार्टी में उन्हें मान-सम्मान और राजनीतिक सुरक्षा मिलेगी, वही प्राथमिकता होगी।

प्रदेश कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी गठित

शिमला। कांग्रेस हाईकमान ने हिमाचल विधान सभा चुनाव के लिए पार्टी प्रत्याशियों के चयन के लिए मंगलवार को स्क्रीनिंग कमेटी का गठन किया। पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रदेश कांग्रेस चुनाव प्रभारी दीपा दास मुंशी को इस कमेटी का अध्यक्ष बनाया है। प्रत्याशियों की चयन प्रक्रिया में कमेटी की अहम भूमिका रहेगी। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल ने इस संबंध में एक पत्र भी जारी कर दिया है। पार्टी के राष्ट्रीय सचिव उमंग सिंघार और धीरज गुर्जर को कमेटी का सदस्य बनाया गया है। पदेन सदस्यों में प्रभारी राजीव शुक्ला, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष प्रतिभा सिंह, नेता प्रतिपक्ष मुकेश अग्निहोत्री, पूर्व अध्यक्ष सुखविंद्र सिंह सुक्खू और प्रदेश के सभी कांग्रेस राष्ट्रीय सचिव शामिल रहेंगे।

क्या सरकार गिराने वाली एजेंसी बन गई है ईडी-सीबीआई : संजय

- शराब नीति पर ड्रामा कर रही है भाजपा सरकार
- दिल्ली की सरकार गिराने में फेल हो गयी भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता और राज्य सभा सांसद संजय सिंह कहा कि क्या ईडी व सीबीआई सिर्फ सरकार गिराने और तोड़फोड़ करने वाली एजेंसी बन गई हैं क्योंकि वह केंद्र सरकार के इशारे पर काम कर रही हैं और राज्यों में सरकार गिरवाने में अहम भूमिका निभा रही हैं।

उन्होंने कहा कि ये एजेंसियां दिल्ली में फेल हो गई हैं। वैसे भी प्रधानमंत्री के लिए शराब नीति नहीं बल्कि अरविंद केजरीवाल की बढ़ती लोकप्रियता मुद्दा है। लिहाजा प्रधानमंत्री व भाजपा से अब

न अरविंद केजरीवाल और न ही शिक्षा-स्वास्थ्य का मॉडल रुकने वाला है।

उन्होंने कहा कि भाजपाई इधर-उधर की बात न करें क्योंकि उनकी ईडी व सीबीआई की जांच सिर्फ एक दिखावा और दबाव बनाने की कोशिश थी। दिल्ली की सरकार को गिराने का नापाक इरादा था जिसको आम आदमी पार्टी और मनीष सिसोदिया ने फेल करने का काम किया है। भाजपा को जितना ईडी-सीबीआई का इस्तेमाल करना है, गिरफ्तारी की कोशिश करनी है, दिल्ली सरकार को गिराने की कोशिश करनी है, करके देख ले, इसमें सफलता मिलने वाली नहीं है क्योंकि यह आम आदमी पार्टी आंदोलन की कोख से निकली हुई पार्टी है। उन्होंने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार शराब नीति पर ड्रामा कर रही है और गुजरात में जहरीली शराब से 100 से ज्यादा लोग मर गए, उसका जवाब आज तक किसी भी भाजपा नेता ने नहीं दिया।

भाजपा में 2014 के बाद खत्म हो गई नैतिकता!

- 4पीएम की परिचर्चा में उठे सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हमेशा सुर्खियों में रहने वाले केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा टेनी का एक और बयान सोशल मीडिया पर वायरल है। इस बार उनके निशाने पर किसान नेता राकेश टिकैत रहे। टेनी ने टिकैत को दो कौड़ी का आदमी बता दिया। बड़ा सवाल यह हैं कि किसके दम पर गृह राज्यमंत्री टेनी सभी को गाली दे रहे हैं। इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार शीतल पी सिंह, डॉ राकेश पाठक, अजय शुक्ला, अनुपम मिश्रा और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

परिचर्चा

रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

अनुपम मिश्रा ने कहा कि जिस तरह की हरकतें टेनी कर रहे हैं, उनके स्तर में अंतर नहीं आ रहा है। वे पहले भी ऐसे बयान देते रहे, जिनका विरोध हुआ था। डॉ. राकेश पाठक ने कहा सोची समझी रणनीति के तहत वे बयान दे रहे हैं, जिस तरह से टेनी को बढ़ावा मिल रहा है, उसे खारिज नहीं कर सकते। संसद में पीएम मोदी ही भाषा तोड़ रहे हैं तो उनके मंत्रिमंडल में शामिल टेनी के लिए ये तरक्की की सीढ़ी है। अगर किसी और विभाग में होते तो उनको पीएम मोदी, संघ व संगठन का आशीर्वाद और ज्यादा मिलता। शीतल पी सिंह ने कहा कि प्रयोग बहुत तरह के थे, मगर कई फेल भी हुए। कई प्रधानमंत्री ऐसे थे जो सभ्य थे लेकिन तुलनात्मक रूप से अभी जो वक्त है वो पूरी तरह बदल चुका है। हालिया यूपी चुनाव के नतीजे कहते हैं कि जो किसान आंदोलन था वो टेनी के प्रभाव को कम नहीं कर सका, बल्कि इतने अहंकार के बावजूद वे अपने क्षेत्र में पार्टी को चुनाव जिताने में सफल रहे। टेनी को अपनी भाषा पर शर्मिंदगी हो, ऐसी उनको जरूरत है नहीं। आगे और क्या-क्या कहते हैं इस पर देखना होगा।

अजय शुक्ला ने कहा कि टेनी जानते हैं कि जनता हमारे साथ है। चुनाव की जीत इसका उदाहरण है। अब नैतिकता नहीं रह गई है। अगर होती तो उसी समय इस्तीफा दे देते। सबूत नष्ट किए, उसका मुकदमा कहां गया, जो अनैतिक होते वो सब भूल जाते है। भाजपा में 2014 के बाद नैतिकता खत्म हो गई है।

तो गहलोत को कांग्रेस की कमान सौंपेंगी सोनिया!

» दावा- सोनिया गांधी ने लिया चौंकाने वाला फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस को जल्द ही नया अध्यक्ष मिलने जा रहा है। कांग्रेस का अगला अध्यक्ष कौन होगा, इसको लेकर पार्टी की मौजूदा अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने फैसला ले लिया है। लंबे समय बाद कांग्रेस का अध्यक्ष गैर गांधी परिवार से हो सकता है।

समाचार एजेंसी आईएएनएस के सूत्रों के मुताबिक, सोनिया गांधी ने राजस्थान के मुख्यमंत्री व वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत को कांग्रेस की कमान सौंपने का फैसला लिया है। सूत्रों का दावा है कि सोनिया ने खुद अशोक गहलोत से कांग्रेस का अध्यक्ष बनने की पेशकश की है। दरअसल, सोनिया गांधी मेडिकल चेक अप के लिए विदेश जा रही हैं। सोनिया चाहती हैं कि उनके विदेश जाने से पहले गहलोत पार्टी की कमान संभाल लें।

सूत्रों ने बताया कि सोनिया ने एक बैठक के दौरान अशोक गहलोत से ये पेशकश की है। हालांकि गहलोत कैंप ने अभी इसको लेकर कोई जानकारी नहीं दी है, लेकिन सूत्रों ने बताया है कि कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए गांधी परिवार से बाहर के नाम पर विचार कर रही है।

गहलोत चाहते हैं राहुल गांधी बनें अध्यक्ष

सूत्रों का कहना है कि अशोक गहलोत कांग्रेस के अध्यक्ष पद के लिए पहली पसंद है, लेकिन उन्होंने खुद कहा था कि राहुल गांधी को अपने फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए क्योंकि इससे पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल टूटेगा। उन्होंने कहा है कि राहुल गांधी पार्टी अध्यक्ष के लिए शीर्ष और सर्वसम्मत पसंद थे। वहीं अशोक गहलोत ने सोनिया गांधी द्वारा अध्यक्ष पद की पेशकश किए जाने की खबरों पर कहा कि यह मैं मीडिया से सुन रहा हूं। जो जिम्मेदारी मुझे सौंपी गई है, मैं उसे पूरा कर रहा हूं।

21 सितंबर तक होना है अध्यक्ष का चुनाव

गौरतलब है कि कांग्रेस के नए अध्यक्ष का चुनाव 21 सितंबर तक होना है। कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव के लिए विस्तृत कार्यक्रम जल्द ही जारी किया जाएगा। बताया जा रहा है कि यह प्रक्रिया निर्धारित समय-सीमा के साथ पूरी की जाएगी। पार्टी के केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण के अध्यक्ष मधुसूदन मिस्त्री ने कहा था कि कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव की अंतिम तारीख को मंजूरी देना कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) पर निर्भर है, लेकिन हमारी तरफ से, हम तैयार हैं।

अपराधी के मन में पुलिस का खौफ होना जरूरी: सीएम

» पुलिस विभाग के 190 आवासीय/अनावासीय भवनों का वर्चुअल माध्यम से किया लोकार्पण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीते पांच सालों के दौरान प्रदेश में पुलिस की छवि में बदलाव आने का दावा करते हुए कहा है कि पुलिस की बेहतर कार्यप्रणाली का परीक्षण तब होता है जब अपराधी के मन में पुलिस के प्रति खौफ हो और आम आदमी के मन में सम्मान का भाव हो। मुख्यमंत्री योगी ने बुधवार को 190 आवासीय भवनों का पुलिस विभाग को तोहफा देते हुए कहा कि पुलिसकर्मियों को बेहतर सुविधाओं से लैस किया जा रहा है, जिससे उनकी कार्यक्षमता बेहतर हो सके। योगी ने बुधवार को 190 आवासीय भवनों का वर्चुअल माध्यम से लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बीते विधानसभा चुनाव में कानून व्यवस्था एक मुद्दा थी। प्रदेश की आधी आबादी ने इसी मुद्दे पर सरकार के पक्ष में वोट किया। कानून व्यवस्था बेहतर होने के चलते ही बीते वर्षों में चार लाख करोड़ का निवेश उत्तर प्रदेश में हुआ है। अब प्रदेश में निवेशक आना चाहता है और निवेश करना चाहता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 5 वर्ष पहले उत्तर प्रदेश की सभी बीमारू प्रदेश की थी। विकास की कोई सोच नहीं थी। कानून व्यवस्था बदतर थी। हर दूसरे तीसरे दिन बड़े दंगे होते थे। जिसके कारण लोगों के धारणाएं बहुत खराब थी। उत्तर प्रदेश के अंदर कोई भी तथा अपने आप को सुरक्षित महसूस नहीं करता था। पुलिस कर्मियों के लिए कोई व्यवस्था नहीं थी। भर्तियां नहीं हो रही थी। पीएसी की 54 कंपनियां समाप्त कर दी गई थी। महिला पीएसी की कोई व्यवस्था नहीं थी। आपदा प्रबंध के लिए कोई बल नहीं था। हमने इन कमियों को दूर किया। 162000 पुलिसकर्मियों की भर्ती की। पुलिस को आधुनिक बनाने का काम किया जा रहा है। प्रदेश के सभी परि क्षेत्रीय मुख्यालयों पर साइबर लैब की स्थापना की गई है। विशेष सुरक्षा बल का गठन किया। इन्हीं सब का परिणाम है कि आज प्रदेश की सुरक्षा पूरे देश में नजीर बनी हुई है।

फोटो: 4पीएम

रिमझिम कल तक राजधानी लखनऊ में धूप ने दिन के समय बाहर निकलना दूभर कर दिया था तो वहीं आज रिमझिम बरसात ने मौसम को सुहाना बना दिया है।

शाहजहांपुर में पुलिस कस्टडी से बदमाश आदित्य राणा फरार

» लखनऊ जेल से पेशी पर आया था बिजनौर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में हरदोई मोड़ पर रेड चिली ढाबे से बिजनौर का रहने वाला बदमाश आदित्य राणा तीन पुलिसकर्मियों को चकमा देकर फरार हो गया। आदित्य राणा की फरारी पर बिजनौर में पुलिस अलर्ट मोड पर है। जगह-जगह चेकिंग की जा रही है।

बदमाश के फरार होते ही जिले की पुलिस अलर्ट हो गई है। संभावना जताई जा रही है कि बदमाश आदित्य राणा बिजनौर आ सकता है। पुलिस के अनुसार आदित्य राणा पर ढेरों अपराध कर चुका है। उस पर हत्या, लूट व रंगदारी के कुल 41 मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने फिलहाल उसकी तलाश तेज कर दी है। जानकारी के अनुसार बिजनौर का रहने वाला बदमाश आदित्य राणा पुलिस की कस्टडी से शाहजहांपुर में फरार हो गया। आदित्य के फरार होने के बाद बिजनौर पुलिस भी अलर्ट हो गई। जिले के बॉर्डर पर निगाह रखने के साथ-साथ छह टीमों को तलाश में लगाया गया है।

फोटो: 4पीएम

संगोष्ठी लखनऊ। विश्वेश्वरैया सभागार में दीनदयाल उपाध्याय सेवा संस्थान की ओर से अंत्योदय का शंखनाद विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में शिरकत करने पहुंचे राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र। इस अवसर पर उनके साथ पूर्व मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा और पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह मौजूद रहे।

केरल के राज्यपाल आरिफ ने इतिहासकार इरफान को कहा गुंडा

» बोले, मेरी आवाज को दबाने की कोशिश की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने प्रसिद्ध इतिहासकार इरफान हबीब पर 2019 में कन्नूर विश्वविद्यालय में कथित तौर पर मारपीट की घटना को लेकर निशाना साधा। उन्होंने हबीब को गुंडा कहा और आरोप लगाया कि उन्होंने उस समय उनकी आवाज को शारिरिक रूप से दबाने की कोशिश की थी।

दिसंबर 2019 में हुई उस घटना का उल्लेख करते हुए, जब वह कन्नूर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित भारतीय इतिहास कांग्रेस का उद्घाटन करने गए थे, जहां हबीब भी एक वक्ता थे, खान ने आरोप लगाया कि इतिहासकार सीधे उनके पास लड़ाई के लिए आए थे। जैसे ही राज्यपाल संबोधित करने वाले थे, कार्यक्रम के लिए इकट्ठे हुए अधिकांश प्रतिनिधियों ने नागरिकता संशोधन अधिनियम पर उनके रुख के खिलाफ अपना विरोध व्यक्त किया, जो उस समय एक ज्वलंत मुद्दा था। राज्यपाल ने कहा, क्या शारीरिक लड़ाई में शामिल होना एक अकादमिक का काम है? यह एक गुंडा का काम है। एक गली का गुंडा। इरफान हबीब एक गुंडा है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।